THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LABOUR EMPLOYMENT AND REHABILITATION (SHRI BHAGWAT JHA AZAD): (a) Government consider that any scheme of workers' participation in an undertaking, whether in the public or the private sector, is likely to bring about better understanding and cooperation between the management and the workers; this may lead to improvement in the working of the undertaking.

(b) In 1957 Government of India introduced a scheme of workers' participation in management in the shape of Joint Management Councils, to be implemented on a voluntary basis, in large industrial establishments.

गहन समुद्र मत्स्यग्रहण के लिए यंत्रीकृत नौकायें

5215. **श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मछुओं को गहन समुद्र मत्स्यग्रहण के लिये यंत्रीकृत नौकायें सस्ते मूल्य पर उपलब्ध कराने तथा देश में मत्स्यग्रहण के लिए सुविधाएं बढ़ाने के लिए इन नौकाओं के देश में बने इंजनों में त्रुटियां दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ख) पेय जल में मत्स्यग्रहण को बढावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या नई कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्ना साहिब शिन्दे) : (क) गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के जहाजों के निर्माण के लिए जहाज निर्माताओं के दो अन्तर्राष्ट्रीय सहयोजनों की व्यवस्था की गई है, जिन में से एक पूर्वी तट पर व दूसरा पश्चिमी तट पर होगा । इन के जो मूल्य लिए जाते हैं उन मूल्यों को निर्धारित करने वाले विभिन्न सूत्रों के आधार पर ये मूल्य उपयुक्त प्रतीत होते हैं । उथले पानी में मछली पकड़ने के लिए छोटी यंत्रीकृत नौकायें मुख्यत: राजकीय नौका निर्माण प्रांगणों में ही निर्मित की जाती हैं और मछुओं को उचित मूल्य पर प्रदान की जाती हैं । सरकार देश में ही निर्मित समुद्रीय डीजल इंजनों की कार्य-निष्पादन क्षमता का समय-समय पर परिवेक्षण करती रहती है और बतलाये नये दोषों को दूर करने के लिए विनिर्माताओं से बातचीत करती रहती है । कुल मिलाकर देशी समुद्रीय डीजल इंजनों की कार्य निष्पादन क्षमता में सुधार हो रहा है । देश में ही निर्मित समुद्रीय डीजिल इंजनों के मूल्य विन्यास का परिवेक्षण किया जा रहा है ।

(ख) जहां तक अन्तर्देशस्थ जल संसाधनों का सम्बन्ध है वहां भी मछली के अण्डों के उत्पादन पर बल दिया जा रहा है । इस के साथ ही मत्स्य प्रजनन, पालन और संवर्द्धन के लिए उन्नत प्रविधि को अपनाया जा रहा है । खारे पानी में मत्स्य पालन के विकास के लिए भी कदम उठाये गये हैं और सुन्दरबन में एक मार्गदर्शी योजना प्रारम्भ की जा रही है ।

Import of Russian Tractors and their Distribution

5216. SHRI SHASHI BHUSHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the number of Russian DT-14 and Bellarus Tractors imported, with dates of import, in the current year; and

(b) the number actually supplied so far to the farmers in Uttar Pradesh, Punjab and Haryana States?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE): (a) The import programme for 1968-69 includes 6,000 DT-14B and 500 Byelarus tractors. Of these, 3,598 DT-14B and 202 Byelarus tractors have so far been received in different ships and on different dates.